विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

जनवरी, 2024

प्राचार्य की कलम से :

विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय परिवार की ओर से पाठकों को नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं। महाविद्यालय अपनी गतिविधियों का प्रचार–प्रसार, सुझाव एवं सहयोग के लिए सदैव महाविद्यालय न्यूज लेटर के रूप में अपना प्रकाशन करता आया है। इसी कड़ी में यह मासिक पत्रिका के रूप में एक ओर कदम है। महाविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि इस प्रकार से संचालित की जाती है कि वे समाज के लिए मानवीय गुणों से अभिभूत, अभिप्रेरित शिक्षक तैयार कर सके जिसका काम मात्र विषयवस्तु सिखाना नहीं है, बल्कि सीखने की ललक पैदा करना है। वे अपने विद्यार्थियों में यकीन पैदा कर सके कि उनमें भी सलाहियत है। वे भी आसमान की बुलंदियों को छू सकते हैं। उन्हें यकीन इस बात पर होगा कि वे मेहनत और कोशिश करेंगे तो कुदरत उस पर राज़ी हो जाएगी। कुदरत उसके लिए रास्ता बनाने लगेगी। वे जिन्दगी का मकसद हासिल कर सकेंगे। इसलिए महाविद्यालय अपने भावी अध्यापकों को कक्षा–कक्ष के अंदर तथा महाविद्यालय के बाहर सभी तरह के अनुभवों से सीखने का अवसर देता है। जिससे वह अपने आपको और अपने चारों ओर के पर्यावरण को समझा कर अपनी भूमिका को स्वयं तय करने में सशक्त बन सके।

एक उड़ते हुए गुब्बारे पर क्या खूब लिखा था 'जो बाहर है वो नहीं, पर जो भीतर है वही आपको ऊपर ले जाता है।'

–फरज़ाना

संपादन

सलाहकार – जितेंद्र तायलिया, अनुराग प्रियदर्शी

प्राचार्य – फरज़ाना ईरफान

संपादक – गिरीश शर्मा

प्रूफ रिडिंग – जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग – चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,
डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान

ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814

Website-www.vidyabhawan.in

पुस्तक मेले में भागीदारी

दिनांक 2 जनवरी, 2024। विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र की ओर से पुस्तक मेले का आयोजन किया जा गया। पुस्तक मेले से अवगत करवाने के लिए शिक्षा संदर्भ केन्द्र से रंजना एवं संगीता दवे विद्यार्थियों से रूबरू हुईं। महाविद्यालय से प्रतिदिन तीन–तीन दिन के अंतराल में 10 विद्यार्थियों को पुस्तक मेले में भागीदारी के लिए भेजा गया। विद्यार्थी वहां होने वाली विभिन्न गतिविधियों का हिस्सा बनें। प्राध्यापिका बीना लौहार ने मेले में अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी चीज़े बनाना सिखाया।

बाल्यावस्था की धारणाओं के कुछ जरूरी मुद्दे

दिनांक 6 जनवरी, 2024। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के साझा में 'बाल्यावस्था की धारणाओं के कुछ जरूरी मुद्दे' विषय पर वेबिनार आयोजित हुई। मुख्य वक्ता एकलव्य संस्थान, भोपाल की रश्मि पालीवाल थीं। उन्होंने बचपन क्या है? पिछले पांच दशकों में बचपन के विमर्श में क्या बदलाव हुए हैं? बच्चों के जीवन–संदर्भों के साथ–साथ उनका अपना व्यक्ति–बोध क्या होता है और हमारी धारणाओं में यह क्या जगह बनाता है? हमारे अपने जीवन और काम के दौरान हमने बचपन के विविध रूपों को कैसे जाना और स्वीकार किया है? प्रश्नों पर संवाद किया। संचालन डॉ. विद्या मेनारिया ने किया।

सिमुलेशन डिफाल्टर राउण्ड

दिनांक 8 जनवरी, 2024। बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए सिमुलेशन का डिफाल्टर राउण्ड प्रारंभ हुआ। 15 विद्यार्थी जो पूर्व में सिमूलेशन से वंचित रह गए थे उन्हें फिर से एक मौका दिया गया। पैडागॉजी की कक्षाओं में इन्होंने अपना अधूरा कार्य पूर्ण किया।

प्री सेशन ऑफ यूथ यूनाइट्स

दिनांक 9 जनवरी, 2024। हार्टफुलनेस की ओर से महाविद्यालय में यूथ यूनाइट्स का प्री सेशन हुआ। हार्टफुलनेस की डॉ. रीता नागपाल ने 12 जनवरी को होने वाले यूथ कार्यक्रम के बारे में बताया कि 160 देशों के युवा एक साथ जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम के लिए सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन राजस्थान से हुआ। कार्यक्रम में स्वयं की शांति की बात होगी, क्योंकि जब हम स्वयं शांत हो जाएंगे तो इस यूनिवर्स की शांति का हिस्सा बन जाएंगे। हर व्यक्ति वैश्विक शांति का हिस्सा बन पाए इस दिशा में प्रयास होगा।

नकारात्मक विचारों को करें अनसुना

दिनांक 11 जनवरी, 2024। महाविद्यालय की प्रार्थना सभा में पूर्व निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर

का उद्बोधन हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान स्थिति से रूबरू करवाते हुए कहा कि विद्यार्थी प्रशिक्षण के लिए नहीं वरन् रोजगार को ध्यान में रख कर महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं। इससे उनमें सीखने की प्रवृत्ति कम होती है। ऐसे में वे पूर्ण रूप से परिपक्व नहीं हो पाते। उन्होंने कहा कि हमें नकारात्मक विचारों से बचकर रहना चाहिए। उन्होंने कहानी के माध्यम से बताया कि यदि हमें किसी भी कार्य में सफल होना है तो बाहरी लोगों की नकारात्मक बातों को अनसुना करना होगा। उन्होंने समय को कीमती बताया।

एम.एड़ का अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 11 जनवरी, 2024। महाविद्यालय में एम. एड. के 8 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। अभिविन्यास कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रश्न पत्रों के समन्वयकों ने प्रश्न पत्रों पर चर्चा की, सत्रीय कार्य को समझाया, क्रियान्वयन योजना बनाई।

उपाध्यक्ष का दौरा

दिनांक 11 जनवरी, 2024। विद्या भवन सोसायटी के उपाध्यक्ष हंसराज चौधरी ने महाविद्यालय का दौरा किया। उनके साथ मुख्य संचालक डॉ. अनुराग प्रियदर्शी एवं व्यवस्था सचिव शैलेन्द्र सिंह भी थे। उन्होंने पुस्तकालय का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव दिए तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी सुझाव मांगे।

युवा सप्ताह की तैयारियां शुरू

दिनांक 11 जनवरी 2024। महाविद्यालय में 15 जनवरी से युवा सप्ताह मनाया जाएगा। सप्ताह के अंतर्गत 2 दिन की खेल–कूद प्रतियोगिता एवं 3 दिन का सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसके लिए सोसायटीवार विद्यार्थियों ने अपनी तैयारियां शुरू की गई।

यूथ यूनाइट्स कार्यक्रम

दिनांक 12 जनवरी, 2024। हार्टफुलनेस की ओर से महाविद्यालय में यूथ यूनाइट्स कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हुआ। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को ध्यान की महत्ता बताई और कहा कि ध्यान क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक आपके अंदर शांति नहीं होगी, आप एक दूसरे से जुड़ नहीं सकते। उन्होंने आंतरिक शांति का सबसे अच्छा माध्यम ध्यान को बताया। उन्होंने समूह में विद्यार्थियों को ध्यान का अभ्यास करवाते हुए आंख बंद कर अपनी आंतरिक ज्योति से जुड़ने, डर और असफलता से बचने का तरीका बताया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया

दिनांक 12 जनवरी, 2024। महाविद्यालय के दो संकाय सदस्य विद्या भवन गांधीय संस्थान में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने गए। अरविंद सोसायटी उदयपुर शाखा की ओर से आयोजित संगोष्ठी में डॉ. नैना त्रिवेदी, डॉ. अख्तर बानो एवं एम.एड. के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

महर्षि अरविंद : दर्शन पर विस्तार व्याख्यान

दिनांक, 13 जनवरी, 2024। शिक्षा जो जीवन को आगे बढ़ाती है और जीवन को देती है। शिक्षा का उद्देश्य देश के लिए नागरिक नहीं विश्व के लिए मानव तैयार करना है। जितना हम अपने को मानव कह सकते हैं उतना ही हमें स्वीकार करना होगा कि हम पशु नहीं है।

यह बात महर्षि अरविंद आश्रम नई दिल्ली की प्रो. अर्पणा रॉय ने शनिवार को यहां विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में आयोजित विस्तार व्याख्यान में बी.एड. एवं एम.एड. के विद्यार्थियों से कही। उन्होंने कहा कि अच्छा अध्यापक वह होता है जो स्वयं पढ़ता है, तभी वह दूसरों को पढ़ा सकता है। उन्होंने महर्षि अरविन्द की समग्र शिक्षा एवं श्री मां के बारह चक्रों, मानवीय मूल्यों, श्रीमद्भगवत गीता कहानियों के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों को पूरी तरह से आजादी मिलनी चाहिए। लेकिन उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि आजादी का मतलब जिम्मेदारी होता है क्योंकि बिना जिम्मेदारी के आजादी देने से हम कहीं नहीं पहुंच सकते। उन्होंने शिक्षा और जानकारी में भेद करते हुए बताया कि सच्ची शिक्षा वह है जो सही और गलत में भेद बता सके और चुपके से हमारे अंदर की कमजोरी और बुराई को खत्म कर दे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हमेशा जागरूक रहें, सीखने की प्रवृत्ति जारी रखे और प्रश्न करते रहें। जो बच्चा अध्यापक से जुड़ा रहता है वह ही ज्यादा सीखता है।

इससे पूर्व प्रारंभ में प्रो. डी.एन. दानी ने प्रो. अर्पणा रॉय का परिचय दिया। इस मौके पर प्रो. एम.पी. शर्मा, प्राचार्य डॉ. फरजाना इरफान, डॉ. भगवती अहीर एवं संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। संचालन डॉ. अख्तर बानो ने किया तथा धन्यवाद डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा ने दिया।

आनंदम युवा सप्ताह : खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक 20 जनवरी, 2024। विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में 'आनंदम' युवा सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह की शुरूआत खेलकूद प्रतियोगिता से हुई। दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि वॉलीबाल के अंतर्राष्ट्रीय रेफरी और महाविद्यालय के पूर्व शारीरिक शिक्षक महेन्द्रसिंह खत्री थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों को खेलकूद में भाग लेकर सीखना चाहिए ताकि आगे विद्यालयों में जाकर इस तरह की गतिविधियां संचालित कर सके। दो दिवसीय खेलकूद में 100, 200 और 400 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, शॉटपुट, रस्साकशी, क्रिकेट बॉल थ्रो आदि प्रतियोगिताएं हुई। बेस्ट एथलिट पुरुष वर्ग में परमजीत सिंह एवं महिला वर्ग में रीना खराड़ी रहीं। इस मौके पर संकाय सदस्यों की कुर्सी रेस भी हुई जिसमें प्रथम डॉ. गिरीश शर्मा, द्वितीय डॉ. मनीषा शर्मा, तृतीय डॉ जगदीश चंद्र आमेटा रहे।

इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का शुभारंभ हुआ। 18 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रथम दिवस के तहत सुगम संगीत का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रेमसिंह भण्डारी ने की। उन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष एक नज्म प्रस्तुत की और विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में प्रत्येक परिषद से समूह गान, भजन, गजल व कुछ फिल्मी गीत प्रस्तुत किए गए।

दोपहर में राज्य नृत्य का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने सोसायटीवार भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति के अनुरूप लोकनृत्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सिक्योर मीटर्स के नरेन्द्र शर्मा ने की। उन्होंने युवा जीवन में सकारात्मकता किस प्रकार लाई जाए, इस संदर्भ में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। इस मौके पर डॉ. फरजाना ने भी उद्बोधन दिया।

दूसरे दिन माईम एवं रोल प्ले का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. डी.एन. दानी एवं प्रो. सुषमा तलेसरा थीं। नाट्य प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने विभिन्न सामाजिक मुद्दे, पर्यावरण एवं जनजागरूकता तथा हास्य प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर प्रो. दानी ने विद्यार्थियों के अभिनय से प्रभावित होते हुए कहा कि एक शिक्षक के लिए अभिव्यक्ति का सशक्त होना बहुत आवश्यक होता है। प्रो. सुषमा तलेसरा ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए अपनी कलाओं को और अधिक निखारने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इसी दिन शाम को रेम्प वॉक का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यार्थियों ने भारतीय परीधान पहन कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथ विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक डॉ. अनुराग प्रियदर्शी थे। उनके साथ निष्ठा जैन तथा जया राठौड़ भी उपस्थित थीं। निर्णायक सुगंधा चौबीसा थीं। कपिल प्रजापत को मिस्टर एवं विमला भाटी को मिस वीबीजीएसटीसी चुना। आनंदम युवा सप्ताह का समापन फन फेयर मेले के साथ हुआ। इस मेले के मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक डॉ. अनुराग प्रियदशी थे। विद्या भवन सोसायटी से रुचिकरण, जया राठौड़, निष्ठा जैन, कहकशां ने भी मेला भ्रमण कर पकवानों का लुफ्त उठाया। मेले में महाविद्यालय की सभी परिषदों के विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजनों फ़ूटचाट, पानी पूरी, पपड़ी चाट, राब, भेल, वड़ा पाव, ढोकले, गार्लिक ब्रेड तथा विभिन्न खेलों के स्टॉल लगाए। सर्वाधिक बिक्री का रिकॉर्ड बनाकर भूगोल परिषद विजेता रही।

आनंदम युवा सप्ताह की संयोजक समिति की समन्वयक डॉ. प्रीति गहलोत तथा सदस्य बीना लौहार, कुमकुम सालमी और उषा पानेरी के मार्गदर्शन में यह युवा सप्ताह मजेदार मेले के साथ सुसंपन्न हुआ।

नंद चतुर्वेदी शताब्दी वर्ष समारोह : काव्य गोष्ठी

दिनांक, 23 जनवरी, 2024। वरिष्ठ कवि, समालोचक एवं चिंतक नंद चुतुर्वेदी के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत मंगलवार को विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में वैचारिक शैक्षिक एवं साहित्यिक काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फरजाना ईरफान ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य वक्ता प्रो. माधव हाड़ा थे। उन्होंने कहा कि हिन्दी में इतनी लंबी कवियात्रा शायद ही किसी की रही होगी। नंदजी ने कई आंदोलन देखे। इस दौरान भाषा और मुहावरे भी बदले। लेकिन नंदजी की भाषा और मुहावरा कमोबेश वही रहे। उन्होंने जीवन के

अंतिम चरण में भी उसी भाषा और मुहावरे में कविता लिखी जो शुरू में थे। शिक्षाविद् प्रो. निधि श्रीवास्तव ने साहित्य से ही बच्चे का सर्वांगीण विकास बताया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील इंसान बनने के लिए शिक्षा में साहित्य का समोवश बहुत जरूरी है। कार्यक्रम के अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी के उपाध्यक्ष हंसराज चौधरी ने कहा नंद चतुर्वेदी विद्या भवन में शिक्षक रहे हैं। उनके सम्मान में ये गोष्ठी आयोजित करना ऋषि ऋण चुकाने का सबसे अच्छा मौका है। इस मौके पर आयोजित गोष्ठी में मंजु चतुर्वेदी, आदर्श चतुर्वेदी, नरोत्तम व्यास, डॉ. ऋतु भटनागर, डॉ. मंजु अग्रवाल, युगधारा के अध्यक्ष अशोक मंथन, युगधारा के संस्थापक डॉ. जयप्रकाश, प्रसंग संस्थान के अध्यक्ष इन्द्रप्रकाश श्रीमाली और गोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. किशन दाधीच ने अपनी कविताएं सुनाई। गोष्ठी में कवि, नंद चतुर्वेदी के परिवारजन, महाविद्यालय के संकाय सदस्य एव बी.एड. एवं एम.एड. के विद्यार्थी उपस्थित थे।

संचालन संकाय सदस्य डॉ. जगदीश चन्द्र आमेटा ने किया।

स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 24 जनवरी, 2024। कई बार जब हम अपने धन का निवेश करते हैं तो वह सही नहीं हो पाता। साइबर क्राईम अत्यधिक बढ़ गया है। जब हम निवेश करें तो हमें पुनः रिटर्न का ही नहीं सोचना है, उसकी सुरक्षा के बारे में भी सोचना है। यह बात स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शकुन्तला परिहार ने कही। उन्होंने कहा कि जब भी हम निवेश करें तो उसकी योजना पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में बजट तैयार कर तीन हिस्से खर्च कर एक हिस्सा बचाने को कहा। उन्होंने शॉर्टकट से पैसा बनाने से बचने को कहा। उन्होंने कठपुतली के माध्यम से भी कई बातों को समझाने का प्रयास किया।

मतदाता शपथ दिलाई

दिनांक 24 जनवरी, 2024। महाविद्यालय में इग्नू का मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. फरजाना ने विद्यार्थियों को मतदाता शपथ दिलवाई।

'नेक' तैयारी पर बैठक

दिनांक 24 जनवरी, 2024। केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के प्रो. अनिल जैन 'नेक' की तैयारी के संदर्भ में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों से रूबरू हुए। प्रो. जैन ने संकाय सदस्यों के साथ 'नेक' की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर नेक मॉड्यूल के क्षेत्र क्रमांक–2 का डॉ. मालचंद काला और उनकी टीम ने प्रस्तुतीकरण किया। सदस्यों ने प्रश्न सभी के सामने रखे

जिनके संभावित उत्तर प्रो. जैन ने दिए।

पूर्व छात्र ने साझा किए अनुभव

दिनांक 25 जनवरी, 2024। महाविद्यालय में वर्ष 1989–90 सत्र के पास आउट पूर्व विद्यार्थी मगाराम चौधरी ने प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा अपने समय के अनुभवों को साझा किया। मगाराम वर्तमान में समग्र शिक्षा अधिकारी हैं।

प्रकृति साधना केन्द्र का भ्रमण

दिनांक 27 जनवरी, 2024। बी.एड. भूगोल सोसायटी के विद्यार्थियों ने डॉ. गिरीश शर्मा तथा कुमकुम् सालवी के मार्गदर्शन मे प्रकृति साधना केंद्र का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने शहर की आबोहवा से दूर प्रकृति की गोद में प्रकृति को देखने एवं तलाशने का आनंद लिया। डॉ. गिरीश ने केंद्र की भौगोलिक स्थिति का अध्ययन कराते हुए कहा की यहां की भौगोलिक स्थिति वनों के लिए अनुकूल है जिससे यहां घना जंगल है। यहां मृदा अपरदन नही होता है क्योंकि पेड़–पौधे अधिक हैं तथा यह क्षेत्र अरावली पहाड़ियों से जुड़ा हुआ है। यहां का तापमान भी नियंत्रित रहता है। केंद्र के समन्वयक डॉ. आर. एल. श्रीमाल ने जैव् विविधता एवं विभिन्न प्रकार की पाई जाने वाली पक्षियों की प्रजातियों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को औषधीय पौधा 'बिजोरा' से भी परिचय कराया। इसके बाद सभी विद्यार्थियों ने ट्रेकिंग करते हुए अन्य औषधिय पौधों की उपयोगिता एवं जैव विविधता का अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने मनोरंजक खेल भी खेले।